SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Lexicographer

कोषकार (लेक्सिकोग्राफर) वह भाषा-विशेषज्ञ है जो शब्दकोश तैयार करता और संपादित करता है — शब्दों के अर्थ, उच्चारण, व्युत्पत्ति (शब्द का इतिहास), प्रयोग और उदाहरण वाक्य एकत्र कर उन्हें सटीक ढंग से लिखता है। वह अखबारों, किताबों,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/lexicographer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

कोषकार (लेक्सिकोग्राफर) वह भाषा-विशेषज्ञ है जो शब्दकोश तैयार करता और संपादित करता है — शब्दों के अर्थ, उच्चारण, व्युत्पत्ति (शब्द का इतिहास), प्रयोग और उदाहरण वाक्य एकत्र कर उन्हें सटीक ढंग से लिखता है। वह अखबारों, किताबों, इंटरनेट और बोलचाल पर नज़र रखकर नए शब्दों को पहचानता है, पुराने अर्थों की समीक्षा करता है और तय करता है कि कौन-सा शब्द कोश में जोड़ा जाए। यह गहरी भाषा-प्रेम, धैर्य और शोध वाला काम है, जो एकभाषी, द्विभाषी और डिजिटल शब्दकोशों तथा भारतीय भाषाओं के संरक्षण के लिए बेहद ज़रूरी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	भाषा/भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर (MA)
कोर्स अवधि	स्नातक 3 वर्ष + MA 2 वर्ष
आरंभिक वेतन	₹18,000–25,000/माह
कार्य-शैली	शोध, संपादन व डेस्क-आधारित पूर्णकालिक काम

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- शब्दों, भाषा और उनके अर्थ-इतिहास में गहरी रुचि
- पढ़ना, खोजबीन करना और बारीक विवरण दर्ज करना पसंद
- भाषाओं के संरक्षण और शब्दकोश-निर्माण के प्रति उत्साह

क्षमताएँ

- भाषा पर मज़बूत पकड़ और शब्दों की गहरी समझ
- बारीकी, सटीकता और लंबे समय तक टिके रहने का धैर्य
- तार्किक व विश्लेषणात्मक सोच और शोध क्षमता

ज़रूरी कौशल

- भाषा की गहरी जानकारी — शब्दार्थ, व्याकरण व अर्थ के भेद
- व्युत्पत्ति (शब्द की उत्पत्ति व इतिहास) का अध्ययन
- शोध, स्रोत-संग्रह और भाषा-कोष (कॉर्पस) विश्लेषण
- परिभाषा-लेखन में स्पष्टता, सटीकता और निष्पक्षता
- धैर्य, अनुशासन और लंबे प्रोजेक्ट पर एकाग्रता
- संपादन, प्रूफ़रीडिंग और सन्दर्भ-जाँच

- शब्दकोश सॉफ़्टवेयर व डिजिटल टूल्स का उपयोग

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं किसी भी संकाय में पूरी करें; भाषा, साहित्य और लेखन में मज़बूत आधार बनाएँ।
2. हिंदी/अंग्रेज़ी/संस्कृत या किसी भाषा में स्नातक (BA) करें।
3. भाषाविज्ञान या अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर (MA) करें — यही मूल पात्रता है।
4. यूजीसी-नेट/जेआरएफ पास कर शोध (M.Phil/PhD) व लेक्सिकोग्राफी में विशेषज्ञता लें।
5. शब्दकोश परियोजना, प्रकाशक या भाषा संस्थान (जैसे CIIL) में सहायक/जूनियर संपादक के रूप में अनुभव लें।
6. अनुभव के साथ कोश-संपादक और वरिष्ठ लेक्सिकोग्राफर तक बढ़ें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- यूजीसी-नेट/जेआरएफ (भाषाविज्ञान/भाषा) — शोध व अध्यापन के लिए

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- भाषाविज्ञान विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (Department of Linguistics, Central University of Rajasthan) — अजमेर, राजस्थान (https://curaj.ac.in/departments/department-linguistics)
- संस्कृत एवं कोशविज्ञान विभाग, डेक्कन कॉलेज (Dept. of Sanskrit & Lexicography, Deccan College) — पुणे, महाराष्ट्र
- भारतीय भाषा संस्थान (CIIL – Central Institute of Indian Languages) — मैसूरु, कर्नाटक (https://ciil.gov.in/)
- भाषाविज्ञान केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (Centre for Linguistics, JNU) — नई दिल्ली (https://www.jnu.ac.in/sllcs/cl)

निजी संस्थान

- अमिटी स्कूल ऑफ़ लिबरल आर्ट्स / भाषा अध्ययन (Amity University) — जयपुर, राजस्थान (https://www.amity.edu/jaipur/)
- द इंग्लिश एंड फ़ॉरेन लैंग्वेजेज़ यूनिवर्सिटी (EFLU) — हैदराबाद (https://www.efluniversity.ac.in/)

ऑनलाइन

- सीआईआईएल ऑनलाइन भाषा पाठ्यक्रम (CIIL Online Courses) — ऑनलाइन (https://courses.ciil.org/)
- स्वयं (SWAYAM) – भाषाविज्ञान पाठ्यक्रम — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी विश्वविद्यालयों (राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, डेक्कन कॉलेज) में MA भाषाविज्ञान की फीस बहुत कम, लगभग ₹5,000–25,000 प्रति वर्ष होती है। निजी विश्वविद्यालयों में यह लगभग ₹50,000–1,50,000 प्रति वर्ष तक हो सकती है। CIIL व स्वयं के कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम निःशुल्क हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (National Scholarship Portal) (https://scholarships.gov.in/)
- यूजीसी जूनियर रिसर्च फेलोशिप (UGC-JRF) (https://www.ugc.gov.in/Fellowship/stu_Fellowship1)
- सीआईआईएल / भारतीय भाषा संस्थान फेलोशिप एवं परियोजनाएँ (https://ciil.gov.in/)
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान छात्रवृत्ति (SJE Rajasthan) (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

शब्दकोश प्रकाशक (जैसे ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया), भाषा संस्थान (CIIL, साहित्य अकादमी), विश्वविद्यालयों के भाषाविज्ञान विभाग, सरकारी भाषा परियोजनाएँ, तथा डिजिटल शब्दकोश व भाषा-तकनीक कंपनियाँ।

कार्य-संस्कृति

यह मुख्यतः डेस्क-आधारित, शांत और शोधपूर्ण काम है — पढ़ना, स्रोत जुटाना, परिभाषाएँ लिखना और संपादन। घंटे प्रायः नियमित (सोम–शुक्र) होते हैं; परियोजनाएँ लंबी चलती हैं, इसलिए धैर्य ज़रूरी है। यह क्षेत्र दिव्यांगजनों और घर से काम करने वालों के लिए भी उपयुक्त है।

कौन नौकरी देता है

- शब्दकोश प्रकाशक — ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया (OUP), कोलिन्स, राजपाल एंड संस
- साहित्य अकादमी, हिंदी शब्दसागर व सरकारी भाषा आयोग/निदेशालय
- डिजिटल शब्दकोश व भाषा-तकनीक कंपनियाँ (जैसे शब्दकोश/Shabdkosh, अरविंद लेक्सिकन)
- भारतीय भाषा संस्थान (CIIL) व भारतवाणी परियोजना
- विश्वविद्यालय व शोध संस्थान (भाषाविज्ञान विभाग)
- पाठ्यपुस्तक बोर्ड, अनुवाद एजेंसियाँ व मीडिया संपादन डेस्क

माँग (2026)

यह एक विशेषज्ञ, स्थान-सीमित (niche) करियर है, पर भारत की भाषाई विविधता और डिजिटल इंडिया व भारतवाणी जैसी परियोजनाओं के चलते द्विभाषी और डिजिटल शब्दकोशों की माँग बढ़ रही है। मशीनी अनुवाद, एआई भाषा-मॉडल और ऐप-आधारित शब्दकोशों में कुशल लेक्सिकोग्राफरों व भाषा-विशेषज्ञों के नए अवसर बन रहे हैं, विशेषकर क्षेत्रीय भारतीय भाषाओं में।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक / जूनियर कोश-संपादक (Assistant Lexicographer)
2. कोशकार / शब्दकोश संपादक (Lexicographer)
3. वरिष्ठ कोशकार / संपादकीय प्रबंधक (Senior Lexicographer)
4. मुख्य संपादक / परियोजना निदेशक (Chief Editor / Project Director)

कमाई

शुरुआत	₹18,000–25,000/माह
मध्य स्तर	₹35,000–55,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹70,000–1,20,000+/माह

राष्ट्रीय करियर सेवा (NCS) के अनुसार एक लेक्सिकोग्राफर की आय लगभग ₹15,000–40,000/माह के बीच होती है। बड़े प्रकाशक (OUP), शोध संस्थान व वरिष्ठ संपादकीय पदों पर तथा विश्वविद्यालय अध्यापन (यूजीसी वेतनमान) में आय काफ़ी अधिक होती है। फ्रीलांस व डिजिटल शब्दकोश परियोजनाओं से भी अतिरिक्त आय संभव है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- भाषा-प्रेमियों के लिए संतोषजनक, बौद्धिक और सम्मानजनक काम
- भारतीय भाषाओं व ज्ञान के संरक्षण में स्थायी योगदान
- शांत, स्थिर व घर/रिमोट से भी संभव कार्य वातावरण

चुनौतियाँ

- यह एक सीमित (niche) क्षेत्र है, पद कम व प्रतिस्पर्धा अधिक
- लंबे, धीमे प्रोजेक्ट — बहुत धैर्य और एकाग्रता ज़रूरी
- शुरुआती वेतन सीमित; उच्च आय के लिए अनुभव व विशेषज्ञता ज़रूरी

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Arvind Kumar
कोषकार; 'समांतर कोश' (हिंदी का पहला थिसॉरस) के रचयिता

पत्रकार व संपादक अरविंद कुमार (1930–2021) ने 1978 में अपनी नौकरी छोड़कर एक असंभव-से सपने को अपनाया — हिंदी का पहला थिसॉरस बनाना। लगभग बीस वर्षों की अथक मेहनत, धैर्य और शोध के बाद 1996 में 'समांतर कोश' प्रकाशित हुआ, जो किसी भी आधुनिक भारतीय भाषा का पहला थिसॉरस था। आगे उन्होंने द्विभाषी 'पेंगुइन इंग्लिश-हिंदी/हिंदी-इंग्लिश थिसॉरस एंड डिक्शनरी' और डिजिटल 'अरविंद लेक्सिकन' तैयार किया, जिसमें दस लाख से अधिक शब्द-प्रविष्टियाँ हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि शब्दों के प्रति गहरा प्रेम और अटूट लगन किसी को कोषकार के रूप में राष्ट्रीय पहचान दिला सकती है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Arvind_Kumar_(lexicographer)

Kusum Kumar
सह-कोषकार; 'समांतर कोश' व अरविंद लेक्सिकन की सह-रचयिता

कुसुम कुमार अरविंद कुमार की जीवनसंगिनी और उनकी अनेक कोश-परियोजनाओं की सह-रचयिता रहीं। समांतर कोश और अरविंद लेक्सिकन जैसे विशाल शब्द-संग्रह बीस वर्षों तक चले, जिनमें लाखों शब्दों को इकट्ठा करना, वर्गीकृत करना, कार्ड बनाना और जाँचना पड़ा — इस धैर्यपूर्ण, बारीक काम में उनकी बराबर की साझेदारी थी। एक ऐसे क्षेत्र में, जहाँ महिला कोषकारों के नाम कम दर्ज हैं, उनका योगदान यह दर्शाता है कि शब्दकोश-निर्माण में महिलाएँ भी अग्रणी, नामी भूमिका निभा सकती हैं। (टिप्पणी: वे मुख्यतः अरविंद कुमार की सह-रचयिता के रूप में प्रलेखित हैं।)

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Arvind_Kumar_(lexicographer)

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- दुभाषिया
- डबिंग आर्टिस्ट / वॉयस एक्टर
- अनुवादक

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – कोषकार — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%b7%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0/

2. अरुणाचल शिक्षा विभाग करियर गाइडेंस – लेक्सिकोग्राफर — https://education.arunachal.gov.in/career/career/lexicographer/

3. भारतीय भाषा संस्थान (CIIL), मैसूरु — https://ciil.gov.in/

4. साहापीडिया – भारत में कोशविज्ञान — http://www.sahapedia.org/lexicography-india

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in